DSE3-C : हिंदी साहित्य का इतिहास

सत्र ६

उद्देश्य (Objectives)

1. विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी साहित्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद और प्रयोगवाद की सामान्य विशेषताओं से परिचित कराना।
2. प्रमुख कवियों जैसे भारतेंदु हरिश्चंद्र, मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और महादेवी वर्मा के साहित्यिक योगदान की समझ विकसित करना।
3. हिंदी गद्य के उद्भव एवं विकास, उपन्यास, कहानी और नाटक साहित्य की विकास यात्रा की जानकारी देकर विश्लेषणात्मक क्षमता विकसित करना।

अपेक्षित परिणाम (Expected Outcomes)

1. विद्यार्थी हिंदी साहित्य के विभिन्न युगों की विशेषताओं और प्रवृत्तियों को स्पष्ट रूप से समझा और समझा सकेंगे।
2. विद्यार्थी प्रमुख कवियों एवं साहित्यकारों के योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे और उनके साहित्य की पहचान कर पाएंगे।
3. विद्यार्थी हिंदी गद्य, उपन्यास, कहानी और नाटक के विकासक्रम को समझकर साहित्यिक विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।

इकाई IV :
आधुनिक काल की पृष्ठभूमि
भारतेंदु युगीन काव्य की सामान्य विशेषताएँ
प्रमुख कवि – भारतेंदु हरिश्चंद्र, बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
द्विवेदी युगीन काव्य की सामान्य विशेषताएँ
प्रमुख कवि : मैथिलीशरण गुप्त, अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

इकाई V :
छायावादी काव्य की सामान्य विशेषताएँ
छायावाद के प्रमुख कवि – जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा का सामान्य परिचय

प्रगतिवादी काव्य और प्रमुख कवि – रामधारी सिंह 'दिनकर', नागार्जुन का सामान्य परिचय
प्रयोगवादी काव्य और प्रमुख कवि – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' का सामान्य परिचय

इकाई VI :

हिंदी गद्य का उद्भव और विकास
फोर्ट विलियम कॉलेज का योगदान
हिंदी उपन्यास साहित्य का विकासक्रम (सामान्य परिचय)
हिंदी कहानी साहित्य का विकासक्रम (सामान्य परिचय)
हिंदी नाटक साहित्य का विकासक्रम (सामान्य परिचय)